

अंतेवासी पुं. (तत्.) 1. वह विद्यार्थी जो प्राचीन काल में अध्ययन करते समय गुरु के आश्रम में वास करता था, आश्रमवासी 2. छात्रावास-वासी।

अंतोपयोगी वि. (तत्.) अंततोगत्वा लाभकारी, अंत में लाभदायक, परिणाम में लाभप्रद।

अंत्य वि. (तत्.) किसी क्रम के अंतिम छोर पर स्थित, अंतिम, आखिरी।

अंत्य उत्पाद पुं. (तत्.) अंतिम उत्पाद, किसी प्रक्रम या प्रक्रिया के अंत में प्राप्त होने वाला लक्ष्यीकृत उत्पाद। end product

अंत्य कर्म पुं. (तत्.) अंत्येष्टि।

अंत्यक्रम कोश पुं. (तत्.) ऐसा शब्दकोश जिसमें प्रविष्टियाँ अंतिम वर्ण से प्रारंभ होती हैं।

अंत्यक्रिया स्त्री. (तत्.) दे. अंत्य कर्म।

अंत्यज पुं. (तत्.) सबसे अंत के वर्ण में उत्पन्न, भारत की प्राचीन सामाजिक व्यवस्था में वह व्यक्ति जिसे अछूत (अस्पृश्य) समझा जाता था, शूद्र।

अंत्यजन्मा वि. (तत्.) 1. शूद्र 2. चांडाल।

अंत्य जाति वि. (तत्.) दे. अंत्यजन्मा।

अंत्य-जातीय वि. (तत्.) दे. अंत्यजन्मा।

अंत्य पत्र पुं. (तत्.) (जिल्द) कागज का ताव (पन्ना) जिसे दुहरा मोड़कर एक हिस्से को बाहरी जिल्द के भीतरी गत्ते पर चिपका दिया जाता है और दूसरे को पुस्तक के सिले पृष्ठों पर, ये जिल्द के भीतर दोनों तरफ होते हैं।

अंत्य युग पुं. (तत्.) अंतिम युग, कलियुग।

अंत्यलोप पुं. (तत्.) शब्द के अंतिम वर्ण, अक्षर या एक अंश का लुप्त होना। जैसे शिला से 'सिल', जिसमें अंतिम वर्ण (आ) लुप्त है।

अंत्य श्रुति स्त्री. (तत्.) भाषा. जब कुछ शब्दों के उच्चारण में शब्द के बीच किसी अन्य ध्वनि का आगम होता है तो उस ध्वनि को अंत्य श्रुति अथवा परश्रुति कहा जाता है। जैसे- 'लड़की' शब्द के बहुवचन में 'य' का आगम होने से

'लड़कियाँ' शब्द बन जाता है। यहाँ 'य' अंत्यश्रुति के रूप में है पर्या. परश्रुति।

अंत्याक्षर पुं. (तत्.) 1. किसी शब्द या पद का अंतिम अक्षर 2. वर्णमाला का अंतिम वर्ण, जैसे नागरी का अंत्याक्षर 'ह' है।

अंत्याक्षरी स्त्री. (तत्.) वह कविता प्रतियोगिता जिसमें किसी प्रतियोगी को अन्य प्रतियोगी द्वारा सुनाई गई काव्य-पंक्ति के अंतिम अक्षर से आरंभ होने वाली किसी अन्य काव्य पंक्ति को सुनाना पड़ता है।

अंत्यावस्था स्त्री. (तत्.) शा.अर्थ अंतिम अवस्था, जीव समसूत्रण की अंतिम अवस्था जिसमें नए केंद्रकों का निर्माण होता है। Teliphas

अंत्याश्रम पुं. (तत्.) भारतीय संस्कृति के अनुसार वर्णाश्रम व्यवस्था में उल्लिखित अंतिम आश्रम, संन्यास आश्रम।

अंत्याश्रमी वि. (तत्.) अंतिम आश्रम को अपनाने वाला, संन्यासी।

अंत्येष्टि स्त्री. (तत्.) अंतिम यज्ञ (संस्कार), मृतक का अंतिम (दाह) संस्कार तथा उससे संबंधित अन्य धार्मिक क्रियाएँ, क्रियाकर्म।

अंत्योदय पुं. (तत्.) राज. समाज के पिछड़े हुए, दलित वर्गों के उत्थान के लिए निर्मित नियम, सिद्धांत, नीतियाँ एवं योजनाएँ।

अंत्र पुं. (तत्.) आयु. आंत्र, आँत, अँतड़ी। intestine

अंत्रकूजन पुं. (तत्.) आयु. आँतों में होने वाला शब्द, आँतों का बोलना, पेट की गुड़गुड़ाहट, अंत्रकूज।

अंत्रचूदधि स्त्री. (तत्.) आयु. आँत उतरने की व्याधि/बीमारी। hernia

अंत्रस्रज स्त्री. (तत्.) आँतों से बनी माला। पुराणों में ऐसा वर्णन उपलब्ध है कि नृसिंहावतार के समय भगवान ने हिरण्याकश्यपु का पेट चीरकर उसकी आँतों की माला धारण की थी।